हजारी प्रसाद द्विवेदी जयंती में शिरकत हुई महासमुंद से प्रो0 सीमारानी प्रधान, छात्र वक्ताओं ने भी व्याख्यान दिया

दिनांक 19 अगस्त 2021 को शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग के द्वारा आयोजित आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जयंती में एक अच्छी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए छात्रों को व्याख्यान देने का अवसर प्रदान किया गया। प्रो. सीमारानी प्रधान के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ0 रमेश टण्डन की अध्यक्षता में आयोजित इस ऑनलाईन जयंती में एम ए हिन्दी द्वितीय सेम से श्वेता, धनुंजय, कंचन तथा चतुर्थ सेम से सहदेव, जागेश्वरी, अंजली ने व्याख्यान देते हुए हिन्दी साहित्य के सुप्रसिद्ध निबंधकार, आलोचक, उपन्यासकार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रो0 सीमारानी ने द्विवेदी जी के कबीर एवं सूर संबंधी विचार को व्यक्त करते हुए भारतीय संस्कृति पर भी सारगर्भित रोशनी डाली। अपने उद्बोधन के दौरान इन्होंने कृष्ण की भक्ति संबंधी गीत की भी प्रस्तुति दी। अध्यक्षता भाषण में डॉ0 टण्डन ने कहा कि आ0 द्विवेदी जी का यह कथन है कि ‘‘साहित्य को महान बनाने के मूल में साहित्यकार का महान संकल्प होता है।’’ मंच संचालन कर रहे विभागीय सहायक प्राध्यापक दिनेश संजय व अन्य छात्र वक्ताओं ने इनके रचना संसार पर भी प्रकाश डाला। इन्होंने सूर साहित्य, बाणभट्ट की आत्मकथा, हिन्दी साहित्य की भूमिका, कबीर, पुनर्नवा आदि महत्वपूर्ण रचना हिन्दी साहित्य जगत को दिया। शुक्लोत्तर युग के प्रमुख निबंधकार व प्रगतिशील आलोचक आ. द्विवेदी जी 1907 में उ0प्र0 के बलिया जिले में जन्म लिए थे और हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, बंगला, पाली, अपभ्रंश आदि का ज्ञान रखने वाले आचार्य, शांति निकेतन में भी सेवा दिए। पद्म विभूषण से सम्मानित द्विवेदी जी को कबीर ने बहुत अधिक प्रभावित किया था, ये मानते थे कि कबीर अपने युग के सबसे बड़े क्रांतिकारी संत कवि व समाज सुधारक थे। विभागीय सहायक प्राध्यापक जे आर कुर्रे, बी ए द्वितीय वर्ष की देवलता साहू, दिव्या कुर्रे एवं अन्य छात्रों सहित हिन्दी विभाग के लगभग 45 छात्रों की उपस्थिति इस जयंती में रही। अंत में मुख्य अतिथि एवं समस्त प्रतिभागी छात्रों का आभार विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ0 आर के टण्डन ने किया।

19 अगस्त 2021 हिन्दी विभाग

आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी जयंती, खरसिया, संयोजक – डॉ0 आर के टण्डन

दैनिक भास्कर

रायगढ़ भास्कर 21-08-2021

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की जयंती पर दिए गए व्याख्यान

भास्कर न्यूज | खरसिया/रायगढ़

शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग के द्वारा आयोजित आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जयंती में एक अच्छी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए छात्रों को व्याख्यान देने का अवसर प्रदान किया गया। प्रो. सीमारानी प्रधान के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ रमेश टण्डन की अध्यक्षता में आयोजित इस ऑनलाइन जयंती में एम ए हिन्दी द्वितीय सेम से श्वेता, धनुंजय, कंचन तथा चतुर्थ सेम से सहदेव, जागेश्वरी, अंजली ने व्याख्यान देते हुए हिन्दी साहित्य के सुप्रसिद्ध निबंधकार, आलोचक, उपन्यासकार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रो० सीमारानी ने द्विवेदी जी के कबीर एवं सूर संबंधी विचार को व्यक्त करते हुए भारतीय संस्कृति पर भी सारगर्भित रोशनी डाली। अपने उद्बोधन के दौरान इन्होंने कृष्ण की भक्ति संबंधी गीत की भी प्रस्तुति दी। अध्यक्षता भाषण में डॉ टण्डन ने कहा कि द्विवेदी का यह कथन है कि ''साहित्य को महान बनाने के मूल में साहित्यकार का महान संकल्प होता है।

ऑनलाइन हुआ कार्यक्रम।

मनाई गई हजारी प्रसाद की जयंती

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रॉबर्टसन. शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग के द्वारा आयोजित आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जयंती में एक अच्छी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए छात्रों को व्याख्यान देने का अवसर प्रदान किया गया।

प्रो. सीमारानी प्रधान के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ. रमेश टण्डन की अध्यक्षता में आयोजित इस ऑनलाईन जयंती में एमए हिन्दी द्वितीय सेमे. से श्वेता, धनुंजय, कंचन तथा चतुर्थ सेम से सहदेव, जागेश्वरी, अंजली ने व्याख्यान देते हुए हिन्दी साहित्य के सुप्रसिद्ध निबंधकार, आलोचक, उपन्यासकार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि प्रो0 सीमारानी ने द्विवेदी के कबीर एवं सूर संबंधी विचार को व्यक्त करते हुए भारतीय संस्कृति पर भी सारगर्भित रोशनी डाली। अपने उद्‌बोधन के दौरान इन्होंने कृष्ण की भक्ति संबंधी गीत की भी प्रस्तुति दी।

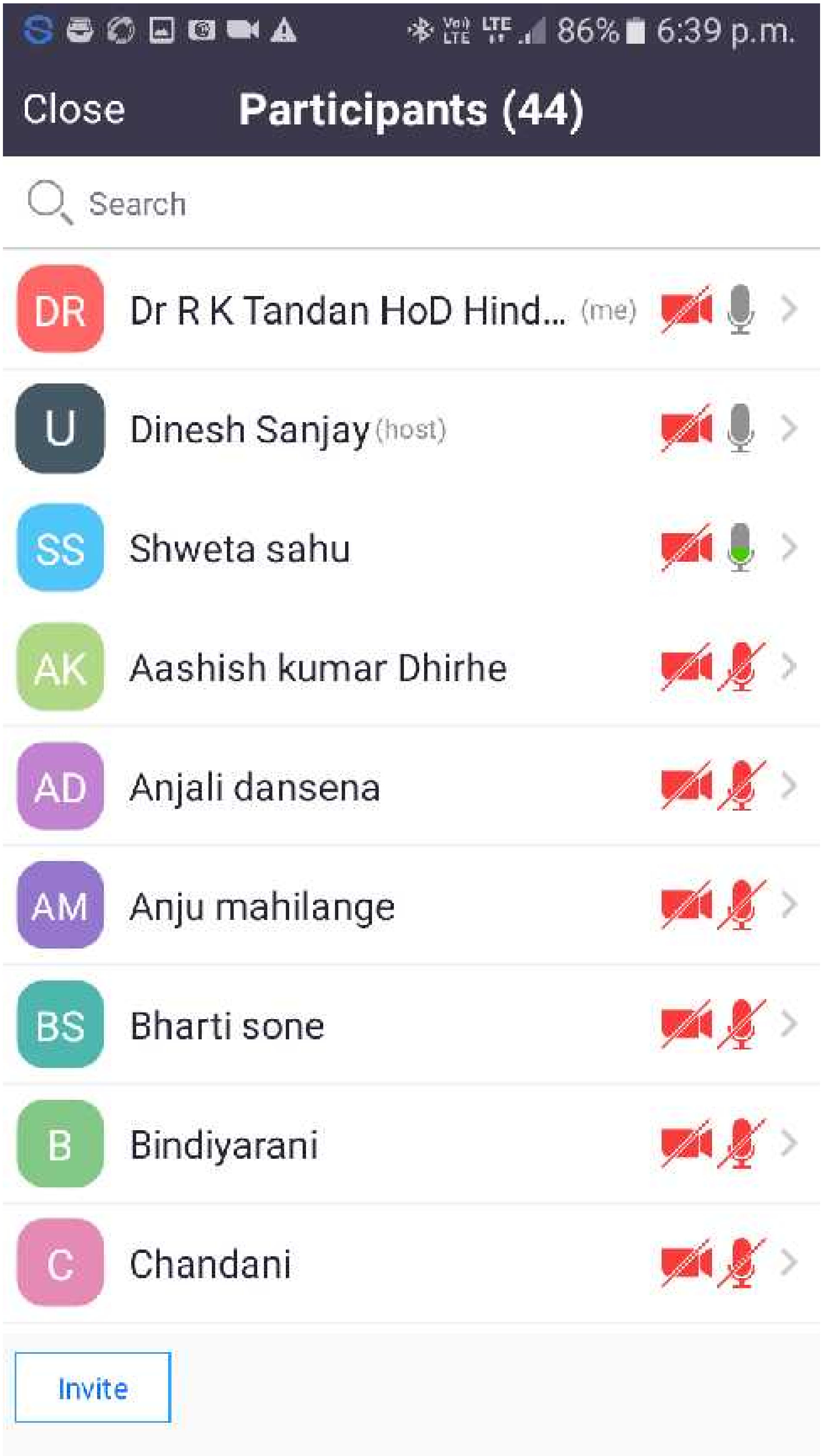
86% 6:39 p.m.
Close
Participants (44)
Search
DR Dr R K Tandan HoD Hind... (me)
U Dinesh Sanjay (host)
SS Shweta sahu
AK Aashish kumar Dhirhe
AD Anjali dansena
AM Anju mahilange
BS Bharti sone
B Bindiyarani
C Chandani
Invite